डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 11, संप्रेषणीय विशेषताएँ, भाग 2

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र, या ईश्वर पर उनके शिक्षण में दिया गया है। यह संचारी गुण, भाग 2 में सत्र 11 है।

हम ईश्वर के सिद्धांत का अध्ययन जारी रखते हैं, विशेष रूप से अब ईश्वर के गुण, और अधिक विशेष रूप से असंप्रेषणीय गुण, जिन्हें वह अपने प्राणियों के साथ साझा नहीं करता है।

ईश्वर सर्वव्यापी है। सर्वव्यापी से हमारा मतलब है कि ईश्वर पूरी तरह से और एक साथ हर जगह मौजूद है। ईश्वर की सर्वव्यापकता उसके सभी गुणों से जुड़ी हुई है, लेकिन दो गुण उल्लेखनीय हैं।

ईश्वर आत्मा के रूप में और ईश्वर अनंत के रूप में। वह आत्मा है, भौतिक नहीं, इसलिए उसकी उपस्थिति आत्मा के रूप में है, लेकिन फिर भी वास्तविक है। ईश्वर अनंत है, और उसकी सर्वव्यापकता अनिवार्य रूप से अंतरिक्ष की श्रेणी से संबंधित उसकी अनंतता है।

भगवान कहाँ है? वह अभी यहीं है, और वह अभी वहाँ है। भगवान हर जगह है। ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ भगवान न हो।

ईश्वर को GPS पर निर्देशांकों के एक सेट में समाहित नहीं किया जा सकता। ईश्वर सभी निर्देशांकों के सेट में पूरी तरह से और एक साथ मौजूद है। बाइबल बताती है कि ईश्वर कैसे निकट और दूर दोनों है, यिर्मयाह 23:23 और 24।

यहाँ के संदर्भ में, जैसा कि यिर्मयाह में अक्सर होता है, परमेश्वर झूठे भविष्यद्वक्ताओं के विरुद्ध बोल रहा है। आयत 16 में सेनाओं का यहोवा कहता है, उन भविष्यद्वक्ताओं की बातों पर कान मत लगाओ जो तुम्हारे लिए भविष्यद्वाणी करते हैं, और तुम्हें व्यर्थ आशाओं से भर देते हैं। वे अपने मन के दर्शन बताते हैं, न कि यहोवा के मुँह से।

वे कहते हैं, कोई विपत्ति तुझ पर न आएगी। श्लोक 21, मैंने नबियों को नहीं भेजा, फिर भी वे दौड़े। मैंने उनसे बात नहीं की, फिर भी उन्होंने भविष्यवाणी की।

परन्तु यदि वे मेरी सम्मति में बने रहते, तो मेरे वचन मेरी प्रजा के लोगों पर प्रचार करते, और वे अपने बुरे मार्ग से और अपने बुरे कामों से फिर जाते। यहोवा की यह वाणी है, क्या मैं ऐसा परमेश्वर हूँ जो निकट रहता हूँ, और दूर का परमेश्वर नहीं? क्या कोई मनुष्य ऐसे गुप्त स्थानों में छिप सकता है कि मैं उसे न देख सकूँ, यहोवा की यह वाणी है? यहोवा, यिर्मयाह 23, 24. क्या मैं स्वर्ग और पृथ्वी दोनों से परिपूर्ण नहीं हूँ, यहोवा की यह वाणी है? मैं ने उन भविष्यद्वक्ताओं की बातें सुनी हैं जो मेरे नाम से झूठी भविष्यद्वाणी करते हुए कहते हैं, कि मैं ने स्वप्न देखा है, मैं ने स्वप्न देखा है।

झूठ कब तक रहेगा, भविष्यद्वक्ताओं के हृदय में झूठ कब तक रहेगा, जो झूठी भविष्यवाणी करते हैं, जो मेरे लोगों को उनके स्वप्नों के द्वारा मेरा नाम भूलाने की सोचते हैं, जो वे एक दूसरे को बताते हैं, जैसे उनके पूर्वज बाल के लिए मेरा नाम भूल गए थे। जिस भविष्यद्वक्ता के पास स्वप्न है, वह स्वप्न बताए, परन्तु जिसके पास मेरा वचन है, वह मेरा वचन सच्चाई से बोले। कहने की आवश्यकता नहीं कि प्रभु प्रसन्न नहीं है।

क्या मैं एक ऐसा ईश्वर हूँ जो केवल निकट है ? बाइबल ईश्वर को निकट और दूर दोनों रूप में बताती है। क्या मैं एक ऐसा ईश्वर हूँ जो केवल निकट है और ऐसा ईश्वर नहीं जो दूर है? क्या कोई व्यक्ति गुप्त स्थानों में छिप सकता है जहाँ मैं उसे नहीं देख सकता? क्या मैं आकाश और पृथ्वी को नहीं भरता? यिर्मयाह 23:23 और 24 सर्वव्यापकता के बारे में एक महत्वपूर्ण अंश है। ईश्वर पारलौकिक है, बहुत दूर है, अपनी सृष्टि से दूर है, अपनी सृष्टि से परे है, और उसमें फंसा हुआ नहीं है।

यशायाह 40:22. परमेश्वर पृथ्वी के घेरे के ऊपर सिंहासनारूढ़ है। यशायाह 40:22.

तो वह उद्धरण, यहाँ तक कि स्वर्ग, सर्वोच्च स्वर्ग भी उसे समाहित नहीं कर सकता। 1 राजा 8:27. 2 इतिहास 6:18.

तो, परमेश्वर सर्वोपरि है। वह अपनी सृष्टि से परे है। यिर्मयाह के शब्दों में, वह बहुत दूर है, लेकिन वह निकट भी है।

वह आसन्न भी है, अपनी सृष्टि में मौजूद है, हालाँकि उसका हिस्सा नहीं है। उदाहरण के लिए, हम उसी में जीते हैं, चलते हैं और अपना अस्तित्व रखते हैं, प्रेरितों के काम 17, 28। वास्तव में, यशायाह अपनी परवाह करने वाली उपस्थिति से परमेश्वर के लोगों को सांत्वना देता है।

यशायाह 40:11. वह मेमनों को अपनी बाहों में समेटता है और उन्हें अपने वस्त्र की तह में रखता है। यशायाह 40:11.

ईश्वर की सर्वव्यापकता पर विचार करने से कई सवाल उठते हैं। ईश्वर मसीह में और मसीह के साथ एक अनोखे तरीके से मौजूद है, क्योंकि यीशु ईश्वर का अवतार है। ईश्वर-मनुष्य के रूप में, मसीह स्वयं ईश्वर है।

ईश्वर-मनुष्य के रूप में, वह असीम आत्मा से संपन्न है, यशायाह 61:1 से 3, यूहन्ना 3:34। पवित्र आत्मा मसीह के साथ है, जैसा कि वह किसी और के साथ नहीं है। जैसा कि हम देखेंगे, आत्मा मसीह के गर्भाधान से लेकर उसके पुनरुत्थान तक उसके साथ है, जिससे वह उद्धार के कार्य को पूरा करने में सक्षम है।

हालाँकि आत्मा यीशु के साथ प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में एक बिल्कुल अनोखे तरीके से मौजूद है, वह उन लोगों के साथ भी एक खास तरीके से मौजूद है जिन्हें यीशु बचाता है। परमेश्वर हर जगह पूरी तरह से और एक साथ हर जगह मौजूद होने के अर्थ में मौजूद है, लेकिन वह अपनी वाचा या बचाने वाली उपस्थिति के संदर्भ में हर जगह या हर किसी के साथ समान रूप से मौजूद

नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक खास तरीके से विश्वासियों के साथ है, जिसमें हम सभी राष्ट्रों के लोगों को शिष्य बनाने के उनके महान आदेश को पूरा करना भी शामिल है।

यीशु हमें आश्वस्त करते हैं, उद्धरण, मैं हमेशा युग के अंत तक तुम्हारे साथ हूँ, मत्ती 28:20 । और आत्मा जीवन और सत्य की आत्मा के रूप में हमारे अंदर और हमारे साथ है, यूहन्ना 6, 63 और यूहन्ना 14:17। मैं उन्हें पढ़ना चाहता हूँ क्योंकि मैंने पवित्र आत्मा के बारे में यूहन्ना के सिद्धांत की सीमाओं के बारे में बात की थी, और मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि वह सिखाता है कि पवित्र आत्मा परमेश्वर के लोगों के साथ है।

वह हमेशा इसे अन्य शिक्षाओं के साथ समन्वयित नहीं करता है जैसा कि व्यवस्थित धर्मशास्त्र करता है। यीशु ने अभी-अभी कहा था, हालाँकि जॉन के पास प्रभु के भोज के मार्ग की कोई संस्था नहीं है, जॉन 6 भोज की शिक्षा से संबंधित है क्योंकि यह मसीह के साथ एकता सिखाता है, और यीशु ने उसका खून पीने और उसका मांस खाने की कल्पना का उपयोग किया, जिसने उसके श्रोताओं को शर्मिंदा कर दिया। जब उसके कई शिष्यों ने यह सुना, तो उन्होंने कहा, यह एक कठिन बात है।

कौन सुन सकता है? लेकिन यीशु ने अपने मन में यह जानते हुए कि उसके चेले इस बारे में बड़बड़ा रहे हैं, उनसे कहा, क्या तुम इस बात पर नाराज़ हो? फिर अगर तुम मनुष्य के पुत्र को वहाँ चढ़ते हुए देखो जहाँ वह पहले था? यह आत्मा है जो जीवन देती है, बड़े अक्षर S. शरीर बिल्कुल भी मदद नहीं करता। मैंने तुमसे जो शब्द कहे हैं वे आत्मा, छोटे अक्षर और जीवन हैं। लेकिन तुममें से कुछ ऐसे हैं जो विश्वास नहीं करते।

यीशु को शुरू से ही पता था कि वे कौन हैं जो विश्वास नहीं करते और कौन है जो उसे धोखा देगा। वह इस जानकारी को कैसे संभाल सकता था? यहूदा के साथ कभी भी असमान व्यवहार का कोई संकेत नहीं था क्योंकि जब वह विश्वासघात करने के लिए बाहर गया तो ग्यारह पूरी तरह से हैरान थे। यीशु ऐसा कैसे कर सकता था? मैं समझ नहीं पा रहा हूँ।

इसीलिए मैंने तुमसे कहा था कि कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता जब तक कि उसे पिता की ओर से अनुमति न दी जाए । आत्मा हमारे अंदर और हमारे साथ जीवन की आत्मा के रूप में है। यह आत्मा ही है जो जीवन देती है, यीशु कहते हैं, यूहन्ना 6:63, और सत्य की आत्मा, यूहन्ना 14, यूहन्ना 14।

यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, 14:15, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे और मैं पिता से विनती करूंगा , और वह तुम्हें एक और सहायक देगा। वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहेगा, अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न तो उसे देखता है और न ही उसे जानता है। संसार निराशाजनक रूप से अनुभववादी है।

यह केवल वही जानता है जो इसकी इंद्रियाँ इसे बताती हैं। तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और तुम्हारे भीतर रहेगा, सत्य की आत्मा। यीशु अपने शिष्यों को आश्वस्त करते हैं, मैं युग के अंत तक हमेशा तुम्हारे साथ हूँ।

आत्मा जीवन की आत्मा के रूप में हमारे अंदर और हमारे साथ है। वह जीवन और सत्य की आत्मा देता है। वास्तव में, इन दोनों क्षमताओं में, वह यीशु का दूसरा रूप है।

यीशु पिता को प्रकट करने वाले थे। जब वे कहते हैं, मैं सत्य हूँ, तो उनका यही मतलब होता है। यीशु अनंत जीवन देने वाले थे।

मैं जीवन, मार्ग, सत्य और जीवन हूँ। जब यीशु जाता है, तो वह अपने शिष्यों को अनाथ नहीं छोड़ता। वह आत्मा को भेजता है , और आत्मा सत्य और जीवन की आत्मा है, जो यीशु की सेवकाई को आगे बढ़ाती है।

वह इससे भी अधिक कार्य करता है, लेकिन अभी के लिए इतना ही काफी है। आत्मा हमें उद्धार में मसीह के साथ जोड़ती है, हमारे अंदर निवास करती है, और हमें बचाए रखती है। इफिसियों 4.30 अभी-अभी मुझे समझ नहीं आया।

परमेश्वर के पवित्र आत्मा को दुखी मत करो, जिसके द्वारा तुम छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किए गए थे। वास्तव में, मैंने क्रॉसवे में बाइबल के लोगों से कहा है कि यह किसके द्वारा नहीं है; यह महत्वपूर्ण है कि तुम किसके साथ मुहरबंद किए गए थे। आत्मा मुहर लगाने वाला नहीं है।

आत्मा मुहर है, लेकिन यह बिल्कुल सच है कि आत्मा हमें परमेश्वर की मुहर के रूप में बचाए रखती है। हालाँकि परमेश्वर सर्वव्यापी है, वह अपनी उपस्थिति को कुछ खास समय और स्थानों पर एक खास तरीके से प्रकट करता है। पुराने नियम में, परमेश्वर हर जगह मौजूद है, और इस तरह से, वह मिस्रियों, अश्शूरियों, बेबीलोनियों और फारसियों के साथ उतना ही मौजूद है जितना कि वह इस्राएल के साथ है।

अहा, परन्तु फिर भी वह इस्राएल के साथ एक विशेष तरीके से वास करता है, और वह एक विशेष तरीके से तम्बू और मंदिर में वास करता है, जहाँ उसने अपने नाम, अपनी उपस्थिति के लिए वास करना चुना है। 1 राजा 8:13, 16, और 20। अब विश्वासी, सामूहिक रूप से और व्यक्तिगत रूप से, परमेश्वर का मंदिर हैं, जहाँ वह विशेष रूप से वास करता है।

1 कुरिन्थियों 1 में, यह सामूहिक है, क्षमा करें, 1 कुरिन्थियों 3, यह वास करने वाली आत्माओं की सामूहिक प्रकृति है जिस पर जोर दिया गया है। अध्याय 6 में, यह वास करने वाली आत्माओं की व्यक्तिगत प्रकृति है। 1 कुरिन्थियों 3, 16।

क्या आप नहीं जानते कि आप, बहुवचन, परमेश्वर के मंदिर हैं और परमेश्वर की आत्मा आप में निवास करती है? यह 1 कुरिन्थियों पर सिआम्पा और रोसनर द्वारा मेरी पसंदीदा टिप्पणी है जो इसे संदर्भ में रखने में मदद करती है। यहूदी सुलैमान के मंदिर का सम्मान करते थे, और यहाँ तक कि दूसरा मंदिर, जो फिर भी उससे मेल नहीं खाता था, परमेश्वर का एक विशेष घर था। पौलुस का यह कहना कि वे परमेश्वर के मंदिर हैं, उनके दिमाग को चौंका देने वाला है।

क्या तुम नहीं जानते कि तुम, बहुवचन, परमेश्वर के मंदिर हो और परमेश्वर की आत्मा तुम में वास करती है? वैसे तो परमेश्वर की आत्मा हर जगह है, लेकिन वह तम्बू और मंदिर में एक खास

तरीके से वास करती है, और वह अपने लोगों में सामूहिक रूप से वास करती है जब वे चर्च के रूप में इकट्ठा होते हैं। अगर कोई परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करता है, तो परमेश्वर उसे नष्ट कर देगा। क्योंकि परमेश्वर का मंदिर पवित्र है, और तुम वह मंदिर हो।

यह एक समावेश है। श्लोक 16, तुम भगवान के मंदिर हो। श्लोक 17, तुम वह मंदिर हो।

परमेश्वर के लोगों में आत्मा का वास है, खास तौर पर तब जब वे सामूहिक सामुदायिक समूहों में एक साथ आते हैं। अध्याय 6 में, यौन अनैतिकता के संदर्भ में, वह उत्पत्ति को उद्धृत करता है, दोनों एक शरीर बन जाएंगे, जो विवाह के लिए परमेश्वर का सिद्धांत है। यौन अनैतिकता से दूर भागो।

1 कुरिन्थियों 6:18. जितने पाप मनुष्य करता है , वे सब शरीर के बाहर हैं , परन्तु व्यभिचारी अपने ही शरीर के विरुद्ध पाप करता है। क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा का मन्दिर है जो तुम्हारे भीतर है, और जिसे तुम परमेश्वर से पाते हो? यह व्यभिचार की बात करते हुए, सामूहिक नहीं, बल्कि विश्वासियों में आत्मा के व्यक्तिगत निवास की बात करता है।

तुम अपने नहीं हो, क्योंकि कीमत देकर मोल लिये गये हो। पहला कुरिन्थियों 6, 20. इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

ग्रीक और रोमन धर्म के लिए यह एक चौंकाने वाली धारणा है। विश्वासी, सामूहिक रूप से और व्यक्तिगत रूप से, परमेश्वर का मंदिर हैं, जहाँ वह विशेष रूप से निवास करता है। वह हर जगह निवास करता है, और वह सर्वव्यापकता के अर्थ में बुतपरस्त मंदिरों में निवास करता है।

वह उनके स्थान से अनुपस्थित नहीं है, लेकिन वह वहाँ मौजूद नहीं है क्योंकि वह अपने लोगों के साथ है। वास्तव में, आप कह सकते हैं कि वह न्याय के समय बुतपरस्त मंदिर में मौजूद है, जैसा कि उसके विशेष प्रदर्शनों में होता है जब पलिश्तियों ने वाचा के सन्दूक को छीन लिया, और परमेश्वर दागोन देवता को लगातार गिराता रहा। उनके मछली देवता, वह उसे सिर पर मारता रहा, उसके अंगों को तोड़ता रहा।

बाइबल मज़ेदार है और कभी-कभी व्यंग्यात्मक तरीके से भी। परमेश्वर की सामान्य सर्वव्यापकता और उसकी विशेष उपस्थिति के बीच अंतर करने से हमें इस सामान्य प्रश्न का उत्तर मिलता है कि क्या परमेश्वर नरक में है। इसका उत्तर हाँ है क्योंकि वह हर जगह मौजूद है।

लेकिन एक मिनट रुकिए, क्या 2 थिस्सलुनीकियों 1 में ऐसा नहीं कहा गया है कि परमेश्वर नरक में मौजूद नहीं है? हाँ। आप दोनों तरह से नहीं हो सकते। ओह हाँ, मैं कर सकता हूँ।

वह अपनी सर्वव्यापकता में नरक में मौजूद है, लेकिन वह नरक में उसी स्थान पर मौजूद नहीं है जहाँ वह स्वर्ग में मौजूद है। वह स्वर्ग में मौजूद है और नए स्वर्ग और नई पृथ्वी में एक अलग तरीके से मौजूद होगा, जिस तरह से वह नरक में मौजूद है। वह स्वर्ग में अनुग्रह, आराम और आशीर्वाद में मौजूद है।

वह उन तरीकों से नरक में नहीं है। 2 थिस्सलुनीकियों 1:9। वास्तव में, पॉल आमतौर पर केवल संक्षिप्त रूप से बात करता है और परमेश्वर के क्रोध के बारे में बात करता है, कुछ अन्य शब्दों का उपयोग करता है जो मुझे अपनी जुबान पर नहीं मिलते, लेकिन 2 थिस्सलुनीकियों 1 में यह अंश उसका प्राथमिक अंश है। नरक के सिद्धांत पर यह यहीं है।

जो लोग हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार का पालन नहीं करते हैं। याद रखें जब मैंने 1 पतरस 1:1 और 2 कहा था, यीशु मसीह की आज्ञाकारिता का मतलब मसीह में विश्वास था, और पतरस कभी-कभी विश्वास के लिए आज्ञा का पालन और अविश्वास के लिए अवज्ञा का उपयोग करता है, और मैंने कहा कि पॉल भी ऐसा ही करता है। यहाँ एक उदाहरण है।

जो लोग मसीह के सुसमाचार का पालन नहीं करते हैं, उनके लिए सुसमाचार एक आदेश है और इसका जवाब उस आदेश की अवज्ञा के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। इसे अन्य तरीकों से भी व्यक्त किया जाता है, क्योंकि सुसमाचार एक आदेश से कहीं अधिक है, लेकिन इसके लिए एक जगह है। वे, जो सुसमाचार का पालन नहीं करते हैं, जो परमेश्वर को नहीं जानते हैं, वे प्रभु की उपस्थिति और उसकी शक्ति की महिमा से दूर अनन्त विनाश की सजा भुगतेंगे, जब वह उस दिन अपने संतों में महिमा पाने और उन सभी के बीच आश्चर्यचकित होने के लिए आएगा जिन्होंने विश्वास किया है।

इसलिए, ऐसा लगता है कि नरक में लोग प्रभु से दूर हैं, उनकी उपस्थिति से दूर हैं। हाँ, वे उनकी खुशी, अनुग्रह, आशीर्वाद और संगति की उपस्थिति से दूर हैं। वह उन तरीकों से नरक में नहीं है, 2 थिस्सलुनीकियों 1:9, बल्कि इसके बजाय, वह पवित्रता, न्याय, शक्ति और क्रोध में मौजूद है।

प्रकाशितवाक्य 14:10 ईएसवी। मसीह के बारे में यूहन्ना की पसंदीदा तस्वीर मेम्ना शब्द है, और हर बार जब इसे मसीह के लिए इस्तेमाल किया जाता है, तो वह एक उपमा में होता है: समुद्र से निकलने वाले जानवर के सींग मेम्ने जैसे होते हैं। हर बार यह एक प्रतीक है, यह सही शब्द है, यह मसीह का प्रतीक है।

मूर्तिपूजक पीएंगे, प्रकाशितवाक्य 14:10, परमेश्वर के क्रोध की मदिरा उसके क्रोध के प्याले में पूरी ताकत से डाली गई है, और मूर्तिपूजक, यह इस बिंदु पर अकेला है, पवित्र स्वर्गदूतों की उपस्थिति में आग और गंधक से पीड़ित होगा, और यहाँ यह आता है, और मेमने की उपस्थिति में। मसीह नरक में मौजूद है, उद्धारकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि न्यायाधीश के रूप में, और उनकी पीड़ा का धुआं हमेशा-हमेशा के लिए ऊपर उठता है, और उन्हें दिन या रात कोई आराम नहीं मिलता है, जानवर और उसकी छवि के वे उपासक, और जो कोई भी उसके नाम का चिह्न प्राप्त करता है, वास्तव में ऊपर दिए गए शब्दों के साथ एक और समावेश है जिसे मैंने नहीं पढ़ा, श्लोक 9, प्रकाशितवाक्य 14.9 के शब्द। वास्तव में, नरक निर्वासन का स्थान है, निर्वासन का स्थान है, परमेश्वर के राज्य से बाहर का स्थान है, और एक विशेष वाचा की उपस्थिति है। मत्ती 7, 21 से 23, तब मैं उन से कहूंगा, कि यीशु ने कहा, जो उसके नाम से सामर्थ के काम करते, और उसके नाम से भविष्यद्वाणी करते, और उसके नाम से दुष्टात्माओं को निकालते हैं, हे कुकर्म करनेवालो, मेरे पास से चले जाओ; मैं ने तुम्हें कभी नहीं जाना।

दुर्भाग्य से, वे उससे पूरी तरह दूर नहीं जा सकते, लेकिन वे उसकी खुशी, अनुग्रह और आशीर्वाद की उपस्थिति से दूर जा रहे हैं। मैथ्यू 25:31 से 46, ऐतिहासिक रूप से, नरक, भेड़ और बकरियों पर सबसे शक्तिशाली मार्ग है। बकरियों से, वह मैथ्यू 25 की आयत 41 में कहता है, मुझसे दूर हो जाओ, तुम शापित हो, मुझसे फिर से दूर हो जाओ, शैतान और उसके स्वर्गदूतों के लिए तैयार की गई अनन्त आग में।

प्रकाशितवाक्य 20:10 हमें बताता है कि यह क्या है, यह आग की झील में अनंत पीड़ा है। प्रकाशितवाक्य 22:15, नए यरूशलेम के बाहर, परमेश्वर के शहर के बाहर, जो परमेश्वर के लोग हैं, कुत्ते और जादूगर, और यौन अनैतिक, और हत्यारे, और मूर्तिपूजक, और हर कोई जो झूठ से प्यार करता है और उसका अभ्यास करता है। परमेश्वर स्वर्ग में अनुग्रह, आराम और आशीर्वाद में मौजूद है।

वह उन तरीकों से नरक में नहीं है, बल्कि पवित्रता, न्याय और क्रोध में मौजूद है। वास्तव में, नरक निर्वासन, निर्वासन, परमेश्वर के राज्य से बाहर का स्थान और विशेष वाचा की उपस्थिति का स्थान है। परमेश्वर की सर्वव्यापकता और हमारे साथ विशेष उपस्थिति महान प्रोत्साहन हैं।

दूसरी ओर, अविश्वासियों के लिए यह बुरी खबर है, और अगर वे इस जीवन में बुरी खबर सुनते हैं, तो वे अच्छी खबर को स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन परमेश्वर की सर्वव्यापकता और अपने लोगों के साथ विशेष उपस्थिति महान आशीर्वाद लाती है। हम परमेश्वर से दूर नहीं जा सकते, भले ही हम ऐसा करना चाहें।

भजन 139:7 से 10. मुझे भजन 139 बहुत पसंद है। यह प्राचीन इस्राएल की आराधना की प्रेरित पुस्तिका, भजन पुस्तक का हिस्सा है, और इस तरह, हर भजन में एक सामुदायिक पहलू होता है, लेकिन यह भजन, कुछ अन्य के साथ, व्यक्तिगत रूप से भी बोलता है।

अब, जैसा कि हर इसराइली कहता है, तुम मुझे तब पहचानते हो जब मैं बैठता हूँ और जब मैं उठता हूँ। कुल मिलाकर, यह सामूहिक है, लेकिन वे कहते हैं कि तुम मुझे तब पहचानते हो जब मैं बैठता हूँ और जब मैं उठता हूँ। इसलिए यह व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों है।

7 से 9 में लिखा है, "मैं तेरे आत्मा से दूर होकर कहां जाऊं? या तेरे सामने से भागकर कहां जाऊं? यदि मैं स्वर्ग पर चढ़ूं, तो तू वहां है। यदि मैं अधोलोक में , अर्थात कब्र में अपना बिछौना बिछाऊं, तो तू वहां है। यदि मैं भोर के पंख लेकर समुद्र के पार जाऊं, तो भी वहां तेरा हाथ मेरी अगुवाई करेगा, और तेरा दाहिना हाथ मुझे शान्ति, आशीष और देखभाल में थामे रहेगा।"

हर जगह परमेश्वर का हाथ अपने लोगों की अगुवाई करता है और उन्हें थामे रखता है। मैंने अभी जो श्लोक पढ़ा है वह भजन संहिता 139, श्लोक 10 है। कभी-कभी हम पूछ सकते हैं, परमेश्वर कहाँ है? शास्त्र स्पष्ट है।

वह यहीं है, पूरी तरह से हमारे साथ मौजूद है। ईश्वर सर्वशक्तिमान है। सर्वशक्तिमान या सर्वशक्तिमान से हमारा मतलब है कि ईश्वर के पास जो कुछ भी करना है, उसे करने की असीमित शक्ति है, जैसा कि शास्त्रों में कहा गया है जब वह उसे सर्वशक्तिमान कहता है।

उदाहरण के लिए उत्पत्ति 49:25. याकूब अपने बेटों को आशीर्वाद दे रहा है, और यूसुफ से कहता है, तुम्हारे पिता के परमेश्वर की शपथ जो तुम्हारी सहायता करेगा, सर्वशक्तिमान की शपथ जो तुम्हें स्वर्ग की आशीषों से आशीषित करेगा। परमेश्वर सर्वशक्तिमान परमेश्वर है।

वह सर्वशक्तिमान है। परमेश्वर की सर्वशक्तिमत्ता उसके सभी गुणों से जुड़ी हुई है, लेकिन दो का विशेष उल्लेख आवश्यक है। परमेश्वर की संप्रभुता और परमेश्वर की अनंतता।

हम बाद में परमेश्वर की संप्रभुता को परमेश्वर के एक गुण के रूप में लेंगे, लेकिन हम यहाँ ध्यान देते हैं कि संप्रभुता अधिकार या प्रभुत्व को व्यक्त करती है। सर्वशक्तिमानता शक्ति या क्षमता पर जोर देती है। वे ओवरलैप करते हैं लेकिन समान नहीं हैं।

इस तरह, सर्वशक्तिमानता संप्रभुता की नींव है। सर्वशक्तिमानता से पहले शक्ति या क्षमता पर जोर दिया जाता था, जिसका विशेष रूप से उपयोग नहीं किया जाता था, लेकिन संप्रभुता वास्तव में उपयोग की जाने वाली शक्ति और क्षमता पर जोर देती है, जो परमेश्वर के अधिकार या उसके राज्य के रूप में उसके क्षेत्र का प्रयोग करती है। परमेश्वर भी अनंत है, और उसकी सर्वशक्तिमानता अनिवार्य रूप से उसकी अनंतता है, जो शक्ति की श्रेणी से संबंधित है।

भगवान क्या कर सकते हैं? जो भी वह चाहें। ब्रह्मांड में कोई भी शक्ति उनकी बराबरी नहीं कर सकती। कोई भी उनकी बराबरी नहीं कर सकता।

वास्तव में, अनंत शक्ति को वाट क्षमता, एर्ग, हॉर्स पावर या इसी तरह के अन्य शब्दों में मापने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि ईश्वर की शक्ति असीमित है और किसी भी माप से परे है। कुछ लोग सर्वशक्तिमानता की व्याख्या अजीबोगरीब तरीकों से करते हैं जिनसे हमें बचना चाहिए। ईश्वर की सर्वशक्तिमानता का मतलब यह नहीं है कि वह एक चट्टान को इतना बड़ा बना सकता है कि उसे उठाना उसके लिए संभव न हो।

यह तार्किक रूप से असंभव है। और भगवान न तो शादीशुदा कुंवारे को बना सकते हैं और न ही चौकोर वृत्त को। भगवान के सर्वशक्तिमान होने का मतलब है कि वह वह सब कुछ कर सकते हैं जो शक्ति कर सकती है।

शक्ति एक वर्गाकार वृत्त, एक विवाहित कुंवारे व्यक्ति या एक चट्टान को इतना कठोर नहीं बना सकती कि उसे भगवान उठा न सकें। जैसा कि सी.एस. लुईस ने प्रसिद्ध रूप से कहा है, बकवास बकवास ही रहती है, भले ही हम भगवान के बारे में बात करें। बकवास बकवास ही बकवास ही रहती है, भले ही हम भगवान के बारे में बात करें।

इसलिए, अगर हम इसे ध्यान से परिभाषित करें, तो सर्वशक्तिमान का मतलब यह नहीं है कि आप ईश्वर नहीं कर सकता वाक्य का उपयोग नहीं कर सकते क्योंकि शास्त्र कहता है कि ईश्वर को लुभाया नहीं जा सकता, ईश्वर पाप नहीं कर सकता, ईश्वर झूठ नहीं बोल सकता, इत्यादि। लेकिन इसका मतलब है कि ईश्वर वह सब कुछ कर सकता है जो शक्ति कर सकती है। इसलिए,

अगर ऐसी चीजें हैं जो शक्ति नहीं कर सकती, तो यह ईश्वर की सर्वशक्तिमानता के लिए कोई चुनौती नहीं है।

इसके अलावा, परमेश्वर की शक्ति, जैसा कि उसके अन्य सभी गुण हैं, उससे अलग नहीं है। उसकी शक्ति न केवल उसकी संप्रभुता और अनंतता से संबंधित है, बल्कि उसकी शक्ति उसकी पवित्रता, प्रेम आदि से भी संबंधित है। परमेश्वर जो चाहे कर सकता है, लेकिन वह जो चाहता है वह स्वतंत्र या मनमौजी नहीं है।

यह उसके प्रेम, पवित्रता, भलाई और उसके सभी गुणों से जुड़ा हुआ है। परमेश्वर पवित्र है, और वह अपनी शक्ति का उपयोग बुराई करने के लिए नहीं करता है। परमेश्वर प्रेममय है, और वह अपनी शक्ति का उपयोग अपने लोगों को धोखा देने के लिए नहीं करता है।

ऐसा करने से वह ईश्वर नहीं हो जाता। ईश्वर सच्चा है। वह अपनी शक्ति का इस्तेमाल धोखा देने के लिए नहीं करता।

तीतुस 1:2 परमेश्वर के बारे में बात करता है, जो झूठ नहीं बोल सकता। परमेश्वर की शक्ति भलाई के लिए काम में लाई जाती है और उसकी सभी अन्य परिपूर्णताओं के साथ संयुक्त होती है। यह एक प्यूरिटन शब्द है, लेकिन मुझे यह वाकई पसंद है।

परमेश्वर के गुण परमेश्वर के वे गुण हैं जिन्हें दूसरे दृष्टिकोण से देखा जाता है। वे उसकी दिव्य पूर्णताएँ हैं। बाइबल में शक्ति का वर्णन कई तरीकों से और काफी बार किया गया है।

सर्वशक्तिमान ईश्वर की छवियों में पॉटर, यशायाह 29:15 और 16, और योद्धा शामिल हैं। आइए पहले योद्धा की बात करें। निर्गमन 15-3, जब ईश्वर अपने लोगों को मिस्र की गुलामी, क्रूर मिस्र की गुलामी से मुक्त करता है, तो हम मूसा के गीत में सीखते हैं, मैं प्रभु के लिए गाऊंगा क्योंकि उसने शानदार विजय प्राप्त की है।

घोड़े और सवार को उसने समुद्र में फेंक दिया है । यहोवा मेरा बल और मेरा गीत है। वह मेरा उद्धार बन गया है।

यह मेरा परमेश्वर है, मैं इसकी स्तुति करूंगा। मेरे पिता का परमेश्वर, मैं इसकी स्तुति करूंगा। यहोवा योद्धा है।

प्रभु, याहवे, उसका नाम है। सर्वशक्तिमानता से संबंधित एक बाइबिल-धर्मशास्त्रीय चित्र एक योद्धा है। परमेश्वर एक शक्तिशाली योद्धा है।

कुम्हार एक और छवि है जो उसी से संबंधित है। यशायाह 29, 15, और 16. आह, तुम जो यहोवा से बहुत छिपते हो, तुम्हारी युक्ति, तुम्हारे काम अंधेरे में हैं, और जो कहते हैं, हमें कौन देखता है? यह कौन जानता है? तुम चीजों को उल्टा कर देते हो।

क्या कुम्हार को मिट्टी के समान समझा जाए और बनाई गई वस्तु को उसके बनाने वाले के बारे में कहा जाए कि उसने मुझे नहीं बनाया, या उस वस्तु को बनाने वाले ने नहीं बनाया। उसे कोई समझ नहीं है। हे भगवान, पाप निश्चित रूप से असंरक्षित मनुष्यों के दिमाग के साथ खिलवाड़ करता है।

यह मनुष्यों को भी बचाता है, है न? दोनों नियमों का हर भाग यह घोषित करता है कि परमेश्वर शक्तिशाली है। व्यवस्था, व्यवस्थाविवरण 4, 37. क्योंकि वह तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम करता था, उसने उनके बाद उनके वंशजों को चुना और अपनी उपस्थिति और महान शक्ति से तुम्हें मिस्र से बाहर निकाला।

व्यवस्थाविवरण 4:37. लेख. भजन 89:13.

तेरे पास शक्तिशाली भुजा है। तेरा हाथ शक्तिशाली है। तेरा दाहिना हाथ ऊपर उठा हुआ है।

भजन 89:13. भविष्यद्वक्ता. यशायाह 40, पद 26.

वह तारों को गिनकर लाता है। वह उन सभी को नाम से पुकारता है। उसकी महान शक्ति और ताकत के कारण, उनमें से एक भी गायब नहीं होता।

निर्गमन 40:26. सुसमाचार. मत्ती 19:26.

यीशु ने उनकी ओर देखा और कहा, मनुष्य के लिए यह असंभव है, लेकिन परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। अमीर युवा शासक उदास होकर चला गया क्योंकि उसके पास बहुत सारी संपत्ति थी। और यीशु ने कहा, जो कुछ तुम्हारे पास है उसे बेच दो, गरीबों को दे दो, और तुम्हें स्वर्ग में खजाना मिलेगा।

और आकर मेरे पीछे हो ले। यह सुनकर वह जवान उदास होकर चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था। यीशु ने चेलों से कहा, मैं तुम से सच कहता हूं; कि धनवान होकर स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है।

एक तरह से हम उनकी दुविधा को समझ सकते हैं, क्योंकि क्या नीतिवचन यह नहीं कहते कि परमेश्वर अपने लोगों को आशीर्वाद देगा और मेहनती लोगों को समृद्धि का आशीर्वाद देगा? एक तरह से, हाँ। और यीशु उन्हें चौंका रहे हैं। मैं तुमसे सच कहता हूँ, केवल कठिनाई से ही एक धनवान व्यक्ति स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा।

फिर भी, मैं तुमसे कहता हूँ, एक ऊँट का सुई के छेद से निकल जाना, एक धनवान व्यक्ति के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने से कहीं अधिक आसान है। दूसरे शब्दों में, मनुष्य के लिए खुद को बचाना असंभव है। जब शिष्यों ने यह सुना, तो वे बहुत चकित हुए और कहने लगे, फिर कौन बच सकता है? परन्तु यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, मनुष्य से तो यह असंभव है, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ संभव है।

प्रेरितों के काम अध्याय 4 पद 7, किस सामर्थ्य से या किस नाम से तुमने यह काम किया है? अधिकारियों ने पतरस और अन्य लोगों से पूछा। तब पतरस पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उनसे कहने लगा, तुम सब को मालूम हो कि यीशु मसीह नासरी के नाम से, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया और जिसे परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, उसी के द्वारा यह मनुष्य तुम्हारे साम्हने स्वस्थ खड़ा है। प्रेरितों के काम 4:7, 8 और 10.

पत्रियाँ। हम दिखा रहे हैं कि बाइबल परमेश्वर की महान शक्ति के बारे में बहुत कुछ कहती है। इफिसियों 1:19.

परमेश्वर तुम्हें अपने भीतरी मनुष्यत्व में समझ की आत्मा दे, कि तुम जान सको, कि उसकी सामर्थ्य की अपार महानता हम पर, जो उस की सामर्थ्य के शक्तिशाली कार्यों के अनुसार विश्वास करते हैं, कैसी है। इफिसियों 119. प्रकाशितवाक्य 11:16, 17.

24 प्राचीनों ने मुँह के बल गिरकर परमेश्वर की आराधना की और कहा, "हे प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, जो है और जो था, हम तेरा धन्यवाद करते हैं, कि तू ने अपनी बड़ी सामर्थ्य पाकर राज्य करना आरम्भ किया है।" प्रकाशितवाक्य 11:16, 17. परमेश्वर अपनी विस्मयकारी शक्ति को अनेक क्षेत्रों में प्रकट करता है।

वास्तव में, प्रभु, जो महान, विशाल, शक्ति में है। भजन 147:5 इसे सृष्टि में प्रदर्शित करता है। भजन 65:6। प्रोविडेंस।

भजन 107:23 से 43. और छुटकारा. भजन 77:15.

इसके अलावा, शास्त्र मसीह को दिव्य शक्ति प्रदान करता है। सृष्टि में प्रयोग। यूहन्ना 1:3. सभी चीज़ें उसके द्वारा बनाई गई थीं।

प्रोविडेंस। इब्रानियों 1:3. वह अपनी सामर्थ्य के वचन या अपने शक्तिशाली वचन के द्वारा सभी चीजों को बनाए रखता है। तो, हम यहाँ जो कह रहे हैं, और हम इसे परमेश्वर की कई विशेषताओं के लिए दिखाएँगे, परमेश्वर के पुत्र में भी वही विशेषताएँ हैं।

कुछ ऐसी ही विशेषताएँ मसीह को भी दी गई हैं। यह कहने का एक और तरीका है कि वह ईश्वर है और यहाँ तक कि ईश्वर का अवतार भी है। शास्त्र मसीह को दिव्य शक्ति प्रदान करते हैं।

सृजन में व्यायाम। ईश्वरीय कृपा। उपचार और भूत-प्रेत भगाना।

प्रेरितों के काम 10, 38. यहाँ यीशु के बारे में बताया गया है, जिसे परमेश्वर ने अभिषिक्त किया, नासरत के यीशु को। उसने उसे पवित्र आत्मा और सामर्थ से अभिषिक्त किया।

वह भलाई करता और सब को जो शैतान के सताए हुए थे, अच्छा करता फिरा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। और उसने अपने आप को मरे हुओं में से जिलाया। (यूहन्ना 10, 17 और 18)

नया नियम, सामान्य रूप से, पुत्र को उन कार्यों का श्रेय देता है जो पुराने नियम में सामान्य रूप से परमेश्वर को दिए गए थे। परमेश्वर सृजन करता है, परमेश्वर विधान का कार्य करता है, परमेश्वर बचाता है, परमेश्वर पूर्णता प्रदान करता है। यीशु सृष्टि में पिता का प्रतिनिधि है।

यीशु उद्धार का कार्य करता है। कुलुस्सियों 1:16. इब्रानियों 1:3. यीशु उद्धार का कार्य करता है।

यीशु इस पराकाष्ठा में भाग लेते हैं। लेकिन यूहन्ना का सुसमाचार पुराने नियम से परमेश्वर के सामान्य कार्य को मसीह को सौंपने की सामान्य नए नियम की प्रवृत्ति से परे है। और जैसा कि मैंने पहले कहा, यह यूहन्ना 15 में यीशु को विशिष्ट रूप से चुनाव का श्रेय देता है।

उस अध्याय के यूहन्ना 15:16 और 19. पूरे शास्त्र में यह अद्वितीय है. केवल वहाँ, मसीह चुनाव का लेखक है.

इसके अलावा, धर्मग्रंथों में, पिता आमतौर पर सीधे बयान के द्वारा या जिसे हम दिव्य निष्क्रिय कहते हैं, उसके द्वारा पुत्र को जीवित करते हैं। यीशु को मृतकों में से जीवित करना पिता द्वारा उसे जीवित करने के संदर्भ में था। कुछ बार, पवित्र आत्मा द्वारा यीशु को जीवित करने के बारे में कहा जाता है।

उदाहरण के लिए रोमियों की शुरुआत। रोमियों 1: 4 मुझे लगता है। लेकिन दो बार, केवल दो बार, और केवल चौथे सुसमाचार में यीशु ने खुद को जीवित किया।

यूहन्ना 2, इस मंदिर को नष्ट कर दो और तीन दिन में मैं इसे फिर से खड़ा कर दूंगा। वह अपने शरीर के मंदिर के बारे में बात कर रहा था। यूहन्ना 10 में, हम अच्छे चरवाहे के बारे में पढ़ते हैं।

पिता इसलिये मुझ से प्रेम रखता है, कि मैं अपना प्राण देता हूं कि उसे फिर ले लूं। कोई उसे मुझ से छीनता नहीं, वरन मैं अपनी इच्छा से देता हूं। मुझे उसे देने और फिर लेने का भी अधिकार है।

पिता से मिला है । इसलिए, हम यीशु को सृष्टि, विधान, चंगाई और भूत-प्रेत भगाने, मृतकों में से खुद को जीवित करने और पुनरुत्थान में हमारे शरीर को बदलने के कार्य में सर्वशक्तिमान या कम से कम महान शक्ति देखते हैं । फिलिप्पियों 3:21 ।

वह हमारे तुच्छ शरीरों को अपने महिमामय शरीर के समान बना देगा, जिसमें वह सब कुछ अपने अधीन करने की शक्ति रखता है। परमेश्वर के सर्वशक्तिमान होने के परिणाम शानदार हैं। सर्वशक्तिमान हमें अपने बेटे और बेटियों के रूप में प्यार करता है।

2 कुरिन्थियों 6:18. सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमसे प्रेम करता है। वह हमारी रक्षा करता है।

भजन 91:1. और हमें बचाए रखता है। 1 पतरस 1:5. वह हमें उसके लिए जीने की शक्ति देता है। यशायाह 40 और पद 29.

यद्यपि युवा थक जाते हैं और बेहोश हो जाते हैं, फिर भी वह अपने लोगों को देता है, वह अपने लोगों को उकाबों की तरह पंख फैलाकर उड़ने, दौड़ने और थकने नहीं, चलने और बेहोश न होने के लिए बुलाता है। 2 पतरस 1:3। वह हमें वह सब कुछ देता है जिसकी हमें अनंत जीवन और भक्ति के लिए आवश्यकता है। परमेश्वर हमें सशक्त बनाता है, खासकर हमारी कमज़ोरियों में।

2 कुरिन्थियों 12:9. परमेश्वर कहते हैं कि मेरी शक्ति निर्बलता में सिद्ध होती है। मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए पर्याप्त है, पॉल। विशेष रूप से, परमेश्वर सुसमाचार फैलाने की शक्ति देता है।

प्रेरितों के काम 1:8. जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य प्राप्त करोगे और मेरे गवाह होगे। इन सब बातों और उससे भी बढ़कर, हमारे सर्वशक्तिमान प्रभु अभी और हमेशा हमारी प्रशंसा के पात्र हैं। 1 कुरिन्थियों 2:9, 11.

प्रकाशितवाक्य 4:8. मैं इस पैराग्राफ़ पर जल्दी से जा रहा हूँ, जिसे मैंने अभी पढ़ा है, और आपको आयतें देता हूँ, अगर आपने उन्हें नहीं पढ़ा है। परमेश्वर की सर्वशक्तिमत्ता के परिणाम अद्भुत हैं। वह हमें अपने बेटे और बेटियों की तरह प्यार करता है।

2 कुरिन्थियों 6:18. हमारी रक्षा करता है। भजन 91:1. हमें बचाए रखता है।

1 पतरस 1:5. हमें उसके लिए जीने की शक्ति देता है। यशायाह 40:29. 2 पतरस 1:3. वह खास तौर पर अपनी शक्ति, अपने सक्षम करने वाले अनुग्रह को हमारी कमज़ोरी में प्रकट करता है।

2 कुरिन्थियों 12:9. खास तौर पर, वह अपने लोगों को खुशखबरी फैलाने का अधिकार देता है। प्रेरितों के काम 1:8. और इन सब और उससे भी बढ़कर, उसके नाम की स्तुति होनी चाहिए, सर्वशक्तिमान के नाम की। 1 कुरिन्थियों 2:9, 11.

प्रकाशितवाक्य 4:8. जब हम इसे फिर से लेंगे, तो हम परमेश्वर के सर्वज्ञ होने या सर्वज्ञ होने पर आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र उचित, या परमेश्वर पर उनके शिक्षण में है। यह संचारी गुण, भाग 2 में सत्र 11 है।